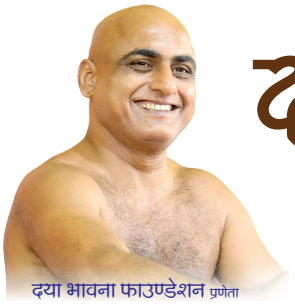

दया भावना फाउण्डेशन प्रणेता
प. पू. मुनि श्री 108 अविचल सागर जी

दया भावना फाउंडेशन

आचार्य श्री विद्यासागर गौ उपचार अस्पताल
भगवान श्री राम पक्षी उपचार अस्पताल

दया भावना फाउंडेशन - करुणा का संकल्प

संपूर्ण भारतवर्ष में लगभग छह लाख पचास हजार ग्राम बसे हुए हैं। इस पवित्र भूमि पर तीस करोड से भी अधिक गौवंश निवास करता है - और असंख्य अन्य पशु-पक्षियों की तो कोई गणना ही नहीं। किन्तु विडंबना देखिए इतने विशाल जीवजगत के लिए देशभर में ऐसा कोई अस्पताल नहीं, जहाँ इन निर्दोष जीवों को समय पर अत्याधुनिक उपचार-सुविधाएँ और पूर्ण स्वास्थ्य-लाभ तक देखभाल प्राप्त हो सके।

यदि भारत के एक सौ चालीस करोड़ जनों से पूछा जाए -जब आपके मार्ग में कोई घायल पशु या पक्षी दिखे, क्या कोई ऐसा स्थान है जहाँ उसका उपचार सुनिश्चित हो? तो शायद ही कोई इस प्रश्न का उत्तर दे पाएगा।

मनुष्य ने अपने उपचार और सुविधा के लिए असंख्य प्रगति और साधन निर्मित किए -परंतु वही संवेदना, वही प्रयास इन मूक प्राणियों के लिए आज भी अनुपस्थित है।

परम पूज्य मुनिश्री अविचल सागर जी महाराज की करुणा और मंगल प्रेरणा से अब इस स्थिति को बदलने का संकल्प लिया गया है।

'मुनि अविचल सागर जी की करुणामयी दृष्टि से प्रेरित होकर भारतवर्ष के प्रत्येक राष्ट्रीय राजमार्ग पर प्रत्येक 150 से 200 किलोमीटर के अंतराल पर 108 गौ-अस्पताल निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

यह केवल एक सेवा नहीं -यह अहिंसा परमो धर्म की जीवंत व्याख्या है।

भगवान महावीर और भगवान राम की पावन शिक्षाओं से प्रेरणा लेकर यह योजना उन सभी जीवों के लिए है जो अनंत काल से इस धरती पर विचरते आए हैं - ताकि वे मृत्यु-तुल्य पीडा से मुक्त होकर पूर्ण स्वास्थ्य प्राप्त करें।

यह दया, भावना और करुणा का एक अद्भुत संगम है-जो भारतभूमि की आत्मा को पुन: स्पंदित करेगा।

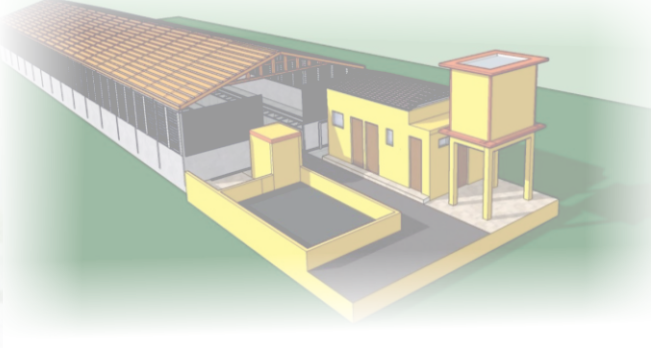

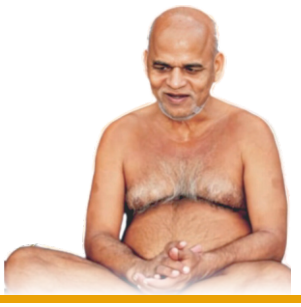

:: अस्पताल की सुविधाएं ::

- **प्रवेश द्वार एवं सुरक्षा** - अस्पताल की पहचान और सुरक्षा में सहायक।
- **मुख्य अस्पताल भवन** - सभी उपचार और प्रबंधन का मुख्य केंद्र।
- **पार्श्वनाथ ऑपरेशन कक्ष**- सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण में सर्जरी सुविधा।
- **गौ-विश्राम कक्ष** - उपचार के बाद गौवंश के आराम व रिकवरी का स्थान।
- **औषधि कक्ष** - दवाओं का सुरक्षित भंडारण और तुरंत उपलब्धता।
- **उपचार यंत्रा सामग्री** - रोग पहचान और इलाज के लिए आवश्यक उपकरण।
- **रबर बेड** - लंबे समय लेटने से होने वाले घाव और चोट से बचाव।
- **पोर्टेबल एक्स-रे मशीन**- कहीं भी तुरंत हड्डी और आंतरिक जांच की सुविधा।
- **हैंगिंग मशीन**- घायल पशु को खडा करने या सहारा देने के लिए।
- **भूसा घर**- हरे व सूखे चारे का सुरक्षित भंडारण।
- **एंबुलेंस सेवा**- घायल या बीमार पशु को तुरंत अस्पताल लाने की सुविधा।
- **उपचार हेतु लघु वाहन** - दूरस्थ क्षेत्रो में जाकर इलाज की सुविधा।
- **जल संचयन प्रणाली**- पानी की उपलब्धता और संरक्षण।
- **हरा चारा कुट्टी मशीन** -बड़े पैमाने पर चारा काटने में समय व श्रम की बचत।
- **कूलर**- गर्मी में पशुओं और स्टाफ को ठंडा वातावरण।
- **सोलर लाइट**- बिजली की बचत और रात में लगातार रोशनी।
- **कैमरा निगरानी**- सुरक्षा और निगरानी की सुविधा।
- **पानी घर**- स्वच्छ पानी की निरंतर आपूर्ति।
- **रसोई घर** - घायल ,जख्मी,वृद्व,पशुओं के लिए पाचक भोजन निर्माण हेतु।
- **ऑफिस एवं संत भवन** - प्रशासनिक कार्य और संतों का आवास।
- **तार फेंसिंग** - अस्पताल क्षेत्रा की सुरक्षा और पशुओं को सीमित रखने के लिए।
- **स्टाफ रूम** - अस्पताल कर्मियों के आराम और निवास का स्थान।
- **तुला दान** - धार्मिक अनुष्ठानों और सेवा कार्यो के लिए।
- **फ्रिज** - दवाओं और संवेदनशील सामग्री को सुरक्षित रखने के लिए।
- **पक्षी अस्पताल भवन**